

प्रेषक,

संतोष बड़ोनी,  
अनु सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास

देहरादून: दिनांक 04/जून, 2012

विषय:- वित्तीय वर्ष 2012-13 में प्रथम किस्त के रूप में दैवी आपदा से प्रभावितों में तत्काल राहत सहायता वितरण हेतु अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान मद के अंतर्गत धनावंटन किये जाने के सम्बन्ध।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2012-13 में प्रथम किस्त के रूप में अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान मदों हेतु 13 जनपदों के लिये ₹ 25.00 लाख प्रति जनपद की दर से कुल ₹ 3.25 करोड़ (₹ तीन करोड़ पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा शासनादेश संख्या-32-7/2011-NDM-I, दिनांक 16 जनवरी, 2012 के माध्यम से राज्य आपदा मोचन निधि से धनराशि स्वीकृत/व्यय किये जाने सम्बन्धी मानक पुनरीक्षित कर दिये गये हैं। जिसकी प्रति आपको पूर्व में ही प्रेषित की जा चुकी है, का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

3- स्वीकृत धनराशि अहेतुक सहायता, गृह अनुदान व अनुग्रह अनुदान मदों में भारत सरकार द्वारा राज्य आपदा मोचन निधि से व्यय हेतु जारी नवीन उक्त दिशा निर्देशों के अनुरूप ही व्यय की जायेगी एवं अवशेष धनराशि वित्तीय वर्ष के अन्त में शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

4- स्वीकृत धनराशि का उपयोग उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस प्रयोजन हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है। धनराशि का गलत उपयोग होने पर संबन्धित जिलाधिकारी का उत्तर दायित्व होगा।

5- स्वीकृत धनराशि का व्यय आपदा राहत कोष (सी.आर.एफ.) के व्यय हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जायेगा।

6- प्रभावितों की सम्यक पहिचान (Identity) एवं पुष्टि के बाद ही स्वीकृत राहत सहायता का वितरण किया जाये। राहत सहायता वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता एवं दोहराव की स्थिति पाये जाने पर संबन्धित जिलाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी हांग।

7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

8- स्वीकृति धनराशि व्यय करते समय शासनादेश पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।



9- स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2013 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का कोषागार से आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाये और यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो वह उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

10- अहेतुक सहायता, गृह अनुदान एवं अनुग्रह अनुदान मदों में कोषागार नियम-24 के अंतर्गत धनराशि का तभी आहरण किया जाए, जब जनपद के पास इस मद में कोई धनराशि उपलब्ध न हो एवं धनराशि का तत्काल वितरित किया जाना आवश्यक हो। आहरित धनराशि प्रत्येक दशा में तीन दिन के अन्दर वितरित कर दी जाए।

11- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्यय अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखा शीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 राज्य आपदा मोचन निधि (90% केन्द्र पोषित)-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-00-13 आपदा राहत निधि से व्यय -42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

12- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या- 20 NP/वित्त अनु0-5/2012 दिनांक 31 मई, 2012 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(संतोष बड़ोनी)  
अनु सचिव

संख्या-304/5 (1)/XVIII-(2)/12-12(5)/08 तददिनांकित

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 4- समस्त मुख्य कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय।
- 6- निजी सचिव, मा. मंत्री, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-5,
- 11- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 12- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संतोष बड़ोनी)  
अनु सचिव